पाठ -3 बस की यात्रा

सार-आधारित प्रश्न (Extract Based Questions)

1. हम पाँच मित्रों ने तय किया कि शाम चार बजे की बस से चलें। पन्ना से इसी कंपनी की बस सतना के लिए घंटे भर बाद मिलती है जो जबलपुर की ट्रेन मिला देती है। सुबह घर पहुँच जाएँगे। हम में से दो को सुबह काम पर हाज़िर होना था इसीलिए वापसी का यही रास्ता अपनाना ज़रूरी था। लोगों ने सलाह दी कि समझदार आदमी इस शाम वाली बस से सफ़र नहीं करते। क्या रास्ते में डाकू मिलते हैं? नहीं, बस डाकिन है। बस को देखा तो श्रद्धा उमड़ पड़ी। खूब वयोवृद्ध थी। सदियों के अनुभव के निशान लिए हुए थी। लोग इसलिए इससे सफ़र नहीं करना चाहते कि वृद्धावस्था में इसे कष्ट होगा। यह बस पूजा के योग्य थी। उस पर सवार कैसे हुआ जा सकता है!

प्रश्न **1.** लेखक और उसके मित्रों को कहां जाना था **?**
(क) जबलपुर
(ख) सहारनपुर
(ग) पन्ना
(घ) रायपुर

प्रश्न **2.** यह बस कहाँ की ट्रेन से मिला देती है**?**
(क) नेपाल की
(ख) जबलपुर की
(ग) पन्ना की
(घ) सतना की

प्रश्न **3.** लेखक के मन में बस को देखकर कैसा भाव उमड़ा**?**
(क) गुस्से का
(ख) श्रद्धा
(ग) दया
(घ) प्रेम

प्रश्न **4.** यात्री इस बस में सफ़र क्यों नहीं करना चाहते थे**?**
(क) क्योंकि बस के चलने के आसार ही दिखाई नहीं देते थे।
(ख) क्योंकि बस में सारी सीटें भर चुकी थी।
(ग) क्योंकि बस अपनी जर्जर अवस्था के कारण कभी भी धोखा दे सकती थी।
(घ) क्योंकि बस का किराया बहुत ज्यादा थी।

2.
इंजन सचमुच स्टार्ट हो गया। ऐसा, जैसे सारी बस ही इंजन है और हम इंजन के भीतर बैठे हैं। काँच बहुत कम बचे थे। जो बचे थे, उनसे हमें बचना था। हम फौरन खिड़की से दूर सरक गए। इंजन चल रहा था। हमें लग रहा था कि हमारी सीट के नीचे इंजन है। बस सचमुच चल पड़ी और हमें लगा कि यह गांधीजी के असहयोग और सविनय अवज्ञा आंदोलनों के वक्त अवश्य जवान रही होगी। उसे ट्रेनिंग मिल चुकी थी। हर हिस्सा दूसरे से असहयोग कर रहा था। पूरी बस सविनय अवज्ञा आंदोलन के दौर से गुजर रही थी। सीट का बॉडी से असहयोग चल रहा था। कभी लगता सीट बॉडी को छोड़कर आगे निकल गई है। कभी लगता कि सीट को छोड़कर बॉडी आगे भागी जा रही है। आठ-दस मील चलने पर सारे भेदभाव मिट गए। यह समझ में नहीं आता था कि सीट पर हम बैठे हैं या सीट हम पर बैठी है।

प्रश्न **1.** उपर्युक्त गद्यांश के पाठ का नाम और लेखक का नाम लिखिए।
(क) गद्यांश के पाठ का नाम- बस की यात्रा , लेखक का नाम- हरिशंकर परसाई।
(ख) पाठ-ध्वनि, लेखक- सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला'।
(ग) पाठ- भगवान के डाकिए, लेखक- रामधारी सिंह दिनकर।
(घ) पाठ का नाम – लाख की चूड़ियाँ, लेखक- कामतानाथ।

प्रश्न **2.** इंजन सचमुच स्टार्ट हो गया वाक्य में लेखक का कहने का अभिप्राय क्या है**?**
(क) बस की खराब स्थिति को देखकर

(ख) ड्राइवर के दयनीय स्थिति को देखकर
(ग) बस की दशा और पहली बार में ही स्टार्ट होने के कारण
(घ) बस की हालत को देखकर

प्रश्न **3.** लेखक को ऐसा क्यों लग रहा था कि हम इंजन के भीतर बैठे हैं**?**
(क) गर्मी के कारण
(ख) परेशानी के कारण
(ग) बस की हालत देखकर
(घ) शोर और कंपन के कारण

प्रश्न **4.** उपरोक्त गद्यांश में गांधी जी के किस आंदोलन का वर्णन है**?**
(क) असहयोग आंदोलन
(ख) सविनय अवज्ञा आंदोलन
(ग) उपर्युक्त दोनों
(घ) कोई नहीं

प्रश्न **5.** गद्यांश में बस की दशा के बारे में क्या पता चलता था**?**
(क) बस अच्छी हालत में थी
(ख) बस की हालत दयनीय थी
(ग) बस खराब हालत में थी
(घ) पता नहीं

3. बस की रफ़्तार अब पंद्रह-बीस मील हो गई थी। मुझे उसके किसी हिस्से पर भरोसा नहीं था। ब्रेक फेल हो सकता है, स्टीयरिंग टूट सकता है। प्रकृति के दृश्य बहुत लुभावने थे। दोनों तरफ़ हरे-भरे पेड़ थे जिन पर पक्षी बैठे थे। मैं हर पेड़ को अपना दुश्मन समझ रहा था। जो भी पेड़ आता, डर लगता कि इससे बस टकराएगी। वह निकल जाता तो दूसरे पेड़ का इंतजार करता। झील दिखती तो सोचता कि इसमें बस गोता लगा जाएगी।
प्रश्न **1.** अब बस किस रफ्तार से चल रही थी**?**
(क) पंद्रह से बीस मील प्रति घंटा
(ख) सात से दस मील रफ़्तार
(ग) दस से तेरह मील रफ़्तार
(घ) चार से पाँच मील रफ्तार

प्रश्न **2.** लेखक को बस पर भरोसा क्यों नहीं रहा**?**
(क) क्योंकि बस का ड्राइवर नशे में था।
(ख) क्योंकि रास्ता काफी खराब था।
(ग) क्योंकि लेखक ने सोच लिया कि बस का कभी भी ब्रेक फेल हो सकता है, या स्टीयरिंग टूट सकता है।
(घ) क्योंकि बस काफी खराब थी।

प्रश्न **3.** लेखक पेड़ों को अपना शत्रु क्यों समझ रहे थे**?**
(क) पेड़ों को ज्यादा झुकाव होने के कारण
(ख) पेड़ों के कारण रास्ता न दिखने के कारण
(ग) पेड़ों से बस टकराने के भय के कारण
(घ) पेड़ों को अत्यधिक छायादार होने के कारण

प्रश्न **4.** लेखक को बस डूबने का डर कहाँ सताने लगा**?**
(क) समुद्र में
(ख) नदी में
(ग) झील में
(घ) पुलिया पर

प्रश्न **5.** गद्यांश में लेखक ने सड़क के दोनों किनारे का दृश्य कैसे प्रस्तुत किया है**?**
(क) दोनों तरफ़ झीलें ही झीलें थीं।
(ख) चारों तरफ़ काले-काले बादल आसमान में छाए थे।

(ग) दोनों तरफ़ नदियाँ बह रही थीं।
(घ) दोनों ओर हरे-भरे पेड़ थे जिस पर पक्षी बैठे थे।

4. एक पुलिया के ऊपर पहुँचे ही थे कि एक टायर फिस्स करके बैठ गया। वह बहुत जोर से हिलकर थम गई। अगर स्पीड में होती तो उछलकर नाले में गिर जाती। मैंने उस कंपनी के हिस्सेदार की तरफ पहली बार श्रद्धाभाव से देखा। वह टायरों की हालत जानते हैं फिर भी जान हथेली पर लेकर इसी बस से सफ़र कर रहे हैं। उत्सर्ग की ऐसी भावना दुर्लभ है। सोचा, इस आदमी के साहस और बलिदान भावना का सही उपयोग नहीं हो रहा है। इसे तो किसी क्रांतिकारी आंदोलन का नेता होना चाहिए। अगर बस नाले में गिर पड़ती और हम सब मर जाते तो देवता बाँहें पसारे उसका इंतजार करते।

प्रश्न **1.** बस कहाँ खराब हो गई**?**
(क) एक गाँव में
(ख) झील के पास
(ग) पुलिया पर
(घ) पुल के नीचे

प्रश्न **2.** लेखक ने बस कंपनी के हिस्सेदार को किस भाव से देखा**?**
(क) उपेक्षा से
(ख) श्रद्धा से
(ग) प्यार से
(घ) घृणा से

प्रश्न **3.** किसके साहस और बलिदान की भावना का दुरुपयोग हो रहा था**?**
(क) कंडक्टर की
(ख) बस ड्राइवर की
(ग) कंपनी के हिस्सेदारों की
(घ) यात्रियों की

प्रश्न **4.** लेखक के अनुसार क्रांति नेता में कौन से गुण होने चाहिए।
(क) त्याग और परोपकार
(ख) सच्चाई और साहस
(ग) ईमानदार और त्यागी
(घ) साहस और बलिदान

बहुविकल्पीय प्रश्न **(Multiple Choice Questions)**

प्रश्न **1.** 'बस की यात्रा' पाठ के लेखक कौन है**?**
(क) दीनदयाल उपाध्याय
(ख) हरिशंकर परसाई
(ग) सूर्यकांत त्रिपाठी
(घ) प्रेम चंद

प्रश्न **2.** कुल कितने लोग शाम की बस से यात्रा करने वाले थे**?**
(क) तीन
(ख) चार
(ग) सात
(घ) पाँच

प्रश्न **3.** 'हाज़िर' शब्द का क्या अर्थ है**?**
(क) उपस्थित होना
(ख) अनुपस्थित होना
(ग) न आना

(घ) न जाना

प्रश्न **4.** पन्ना से सतना के लिए बस कितनी देर बाद मिलती है**?**
(क) हर आधे घंटे के बाद
(ख) प्रात: काल के समय
(ग) हर दो घंटे के बाद
(घ) एक घंटे के बाद

प्रश्न **5.** यह बस कहाँ की ट्रेन मिला देती है**?**
(क) जबलपुर की
(ख) पन्ना की
(ग) सतना की
(घ) भोपाल की

प्रश्न **6.** प्रस्तुत पाठ में गांधी जी के कौन से आंदोलनों का जिक्र है**?**
(क) भारत छोड़ो आंदोलन
(ख) नमक सत्याग्रह
(ग) सविनय अवज्ञा आंदोलन, असहयोग आंदोलन
(घ) उपरोक्त में से कोई नहीं

प्रश्न **7.** लेखक के अनुसार उत्सर्ग की दुर्लभ भावना किसमे थी**?**
(क) ड्राइवर में
(ख) डॉक्टर साहब में
(ग) कंपनी के हिस्सेदार में
(घ) उपरोक्त में से कोई नहीं

प्रश्न **8.** लेखक ने कहाँ पहुंचने की उम्मीद छोड़ दी थी**?**
(क) पन्ना
(ख) अंबाला
(ग) जबलपुर
(घ) उदयपुर

प्रश्न **9.** एकाएक बस क्यों रुक गई**?**
(क) लोगो ने बस रोकने के लिए कहा था
(ख) अचानक कोई बस के सामने कोई आ गया था
(ग) क्योंकि पेट्रोल की टंकी में छेद हो गया था
(घ) दूसरी बस से टक्कर से बचने के लिए

प्रश्न **10.** क्षीण चांदनी रात में वृक्षों की छाया के नीचे खड़ी बस कैसी लग रही थी**?**
(क) जैसे यह अभी तेज रफ्तार पकड़ने वाली है।
(ख) जैसे वह बस ना होकर कोई सुंदर लड़की हो।
(ग) जैसे कोई वृद्धा थक कर बैठ गई हो।
(घ) जैसे यह रूठ ही आई है।

प्रश्न **11.** 'वयोवृद्ध' शब्द का क्या अर्थ है**?**
(क) जवान
(ख) बहुत ही पुरानी
(ग) बूढ़ी या पुरानी
(घ) उपरोक्त में से कोई नहीं

प्रश्न **12.** लेखक के मन में हिस्सेदार साहब के लिए कौन सी भावना जग गई**?**
(क) श्रद्धा
(ख) कृतज्ञता

(ग) आदर
(घ) दया

प्रश्न **13.** लेखक को ऐसा क्यों लगा कि सारी बस ही इंजन है**?**
(क) क्योंकि लेखक इंजन के पास बैठा था
(ख) क्योंकि इंजन से बहुत तेज आवाज आ रही थी
(ग) बस की खराब हालत देखकर
(घ) उपरोक्त में से कोई नहीं

प्रश्न **14.** बस का टायर कहाँ पंचर हो जाता है**?**
(क) पुलिया पर
(ख) दुसरे गाँव में
(ग) नदी पर
(घ) रास्ते में

प्रश्न **15.** कौन बस की टायरों की हालत जानते हुए भी जान हथेली पर रखकर बस में यात्रा कर रहा था**?**
(क) अमीर लोग
(ख) गांव के लोग
(ग) लेखक
(घ) बस कंपनी का हिस्सेदार

एक वाक्य में उत्तर दीजिये

प्रश्न **16.** लेखक की दृष्टि में कंपनी के हिस्सेदार को क्या होना चाहिए था**?**

प्रश्न **17.** झील के आते ही लेखक को क्या लगता है **?**

प्रश्न **18.** लेखक हर पेड़ को अपना दुश्मन क्यों समझ रहा था**?**

प्रश्न **19.** बस की रफ्तार कितने मील हो गई थी**?**

प्रश्न **20.** 'सरक' शब्द का क्या अर्थ है**?**